भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

19.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3176 का उत्तर

नासिक-पुणे रेलवे लाइन

3176. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेल मंत्रालय को नासिक-पुणे रेलवे लाइन के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो रेलमार्ग, रास्ते में पड़ने वाले स्टेशन, लंबाई, रोलिंग स्टॉक के लिए अधिकतम स्वीकार्य गति, अन्य तकनीकी विवरण, परियोजना की लागत तथा परियोजना की वित्तीय व्यवहार्यता के संदर्भ में इस परियोजना प्रस्ताव का तकनीकी और वित्तीय ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार को इस परियोजना प्रस्ताव की प्राप्ति का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या राज्य सरकार ने उक्त परियोजना में हिस्सेदारी करने की कोई प्रतिबद्धता जताई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने यात्रियों की मांग को देखते हुए दोनों शहरों के बीच उक्त प्रस्ताव को मंजूरी दी है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): पुणे से नासिक पहले से ही पुणे-कल्याण-नासिक (265 कि.मी.) और पुणे-दौंड-अहमदनगर-मनमाड-नासिक (387 कि.मी.) के रास्ते रेल नेटवर्क से जुड़ा हुआ है।

इस संपर्कता में और सुधार लाने के लिए, दौंड-मनमाड (248 कि.मी.) लाइन का दोहरीकरण कार्य स्वीकृत किया गया है। कुल 248 कि.मी. में से, 178 किमी को पहले ही कमीशन किया जा चुका है और शेष खंड में कार्य शुरू किया गया है।

इसके अलावा, संपर्कता में सुधार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए निम्नलिखित सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गई है।

- **नासिक-साईनगर शिरडी के बीच नई लाइन (82 कि.मी.)**
- **पुणे-अहमदनगर के बीच नई दोहरी लाइन (125 कि.मी.)**
- **साईनगर शिरडी-पुणतांबा का दोहरीकरण (17 कि.मी.)**

पुणे और नासिक के बीच सीधी संपर्कता के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट महाराष्ट्र रेल अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एमआरआईडीसी) महाराष्ट्र सरकार (50%) और रेल मंत्रालय (50%) की एक संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा तैयार की गई थी है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में प्रस्तावित संरेखण नारायणगांव से होकर गुजर रहा था, जहाँ जहां पुणे में नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स (एनसीआरए) ने जाइंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरटी) वेधशाला स्थापित की है। जीएमआरटी के पास 31 देशों (28वें चक्र तक) के उपयोगकर्ता हैं जो वैज्ञानिक अवलोकनों के लिए इसकी सेवाओं का उपयोग करते हैं। जीएमआरटी वेधशाला के संचालन पर प्रस्तावित रेलवे लाइन के प्रतिकूल प्रभाव के कारण यह संरेखण स्वीकार्य नहीं पाया गया।

भारतीय रेल में रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी देना एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम मील संपर्कता, असंबद्ध लिंकों और पहाड़ी एवं सीमावर्ती क्षेत्रों से संपर्कता सहित वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के विस्तार, सामाजिक-आर्थिक विचारों आदि के आधार पर लिया जाता है, जो चालू परियोजनाओं की दायिताओं, निधियों की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

****